KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

KHAN SIR

KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

SSC GD FOUNDATION 2024 -25

Bilingual

PRABHU SIR

नागरिकता Citizenship

भाग -2 Part-2

अनुच्छेद 5 -11 Article 5 -11

नागरिक- राज्य में निवास करने वाला वह ब्यक्ति जिसे राज्य की पूर्ण सदस्यता प्राप्त हो और वह राज्य व संविधान के प्रति सम्पूर्ण आस्था रखता हो , नागरिक होगा।

Citizen - A person residing in the state who has full membership of the state and has full faith in the state and the Constitution will be a citizen.

नागरिकता - ऐसा ब्यक्ति जो उस देश या राज्य का नागरिक होगा , उसे समस्त संवैधानिक अधिकार प्राप्त होंगे।

Citizenship - A person who is a citizen of that country or state will get all the constitutional rights.

अनु. 5 - आरम्भ में नागरिकता का प्रावधान

Arti. 5 - Provision of citizenship in the beginning

26 जन. 1950 के बाद वे सभी भारत के नागरिक होंगे जो -

26 Jan. After 1950, all those who –

1 .भारत में जन्मा हो

1. born in india

2 भारत शासन अधिनियम 1935 के तहत भारत में जन्मे लोगो की संतानें

2. Children of people born in India under the Government of India Act 1935

3 .संविधान लागु होने से 5 वर्ष पूर्व से सामान्य तौर पर निवास कर रहे लोग।

3. People who have been normally resident since 5 years before the implementation of the Constitution.

पाक-भारत

अनु. 6 - पाकिस्तान -भारत (पाकिस्तान से भारत को प्रवर्जन करने वाले लोग)

15-Aug-1947.

वे सभी भारत के नागरिक होंगे जो 19 जुलाई 1948 तक पाकिस्तान से भारत आगये हो

यदि इसके बाद भारत आते है तो उन्हें भारत सरकार के अनुज्ञा के अधीन नागरिकता का पंजीकरण करवाना होगा।

कानून

Arti. 6 - Pakistan-India (people migrating from Pakistan to India)

All those who came to India from Pakistan till 19 July 1948 will be citizens of India.

If they come to India after this, they will have to get their citizenship registered under the permission of the Government of India.

भारत - पाक - भारत

अनु. 7 - भारत पाकिस्तान भारत (पाकिस्तान को प्रवर्जन करने वाले लोग)

1 मार्च 1947 के बाद जो लोग स्थायी रूप से निवास करने भारत से पाकिस्तान चले गए वे लोग भारत के नागरिक नहीं होंगे ,

यदि वे भारत आते है तो उन्हें भारत की नागरिकता ग्रहण करना होगा।

Arti . 7 - India Pakistan India (people migrating to Pakistan)

After March 1, 1947, those who moved from India to Pakistan for permanent residence will not be citizens of India,

if they come to India they will have to acquire Indian citizenship.

अनु.8 - भारतवंशियों के लिए नागरिकता का प्रावधान –

भारत शासन अधिनियम 1935 के तहत भारत में निवास कर रहे 4 पीढ़ी (स्वयं , माता-पिता , मातामह-पितामह या मातामही-पितामही) में से कोई एक जिसका निवास स्थान किसी अन्य देश में है तो उस देश में स्थित भारतीय दूतावास में पंजीकरण के आधार पर भारत की नागरिकता ग्रहण कर सकते है।

Article 8 - Provision of citizenship for Indians –

Under the Government of India Act 1935, any one of the 4 generations (self, parents, maternal grandparents or maternal grandparents) residing in India whose place of residence is in any other country. If so, then you can acquire Indian citizenship on the basis of registration in the Indian Embassy located in that country.

अनु. 9 - नागरिकता का समाप्त होना –

भारत की नागरिकता 3 प्रकार से समाप्त किया जा सकेगा।

1 . पर्यवसन के द्वारा - अन्य देश की नागरिकता ग्रहण करने पर
2. परित्याग के द्वारा - भारत की नागरिकता छोड़ कर
3 . वंचना के द्वारा - भारत सरकार निम्न कारणों से भारत की नागरिकता से वंचित कर सकता है।

Arti. 9 - Termination of Citizenship - Indian citizenship can be terminated in 3 ways.
1.By migration - on acquiring citizenship of another country.
2. By abandonment – by giving up Indian citizenship .
3. By Deprivation – The Government of India can deprive you of Indian citizenship for the following reasons.

a. संविधान और राष्ट्र के विरुद्ध कार्य करने पर।

b. युद्ध के दौरान शत्रु देश की मदद करने पर।

c. शत्रु देश के साथ ब्यापार करने पर।

d. भारत की नागरिकता ग्रहण करने के 5 वर्ष के भीतर दो बार आपराध सिद्ध हो गया हो।

e. भारत सरकार को बिना सूचित किये 7 वर्षो से भारत से बहार हो।

a. For acting against the Constitution and the nation.

b. On helping the enemy country during war.

c. On doing business with an enemy country.

d. Must have been convicted of a crime twice within 5 years of acquiring Indian citizenship.

e. Has been out of India for 7 years without informing the Government of India.

अनु. 10 - नागरिकता को संरक्षण –

यदि नागरिकता पर वर्तमान में कोई विधि बनायीं जाय तो पूर्व में बनी विधि के आधार पर प्राप्त नागरिकता बनी रहेगी , उसपर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

Arti. 10 - Protection of Citizenship –

If any law on citizenship is made in the present, then the citizenship obtained on the basis of the earlier law will remain intact, there will be no impact on it.

कानून

अनु. 11 - नागरिकता पर विधि बनाने का अधिकार संसद के पास है।

Arti. 11 - Parliament has the right to make laws on citizenship.

UK

नोट – 1.भारत में एकहरी नागरिकता का प्रावधान है , इसे ब्रिटेन से लिया गया है। There is a provision of single citizenship in India, it has been taken from Britain.

2.अमेरिका में दोहरी नागरिकता का प्रावधान है , वहा पहले राज्य के नागरिक होंगे फिर देश के नागरिक होंगे। There is a provision of dual citizenship in America, where first there will be citizens of the state and then there will be citizens of the country.

KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

THANKS FOR WATCHING